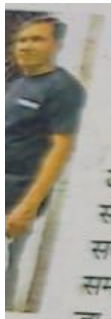

हिंदी के सर्वश्रेष्ठ व्यंग्य लेखक थे हरिशंकर परसाई : डा. बबलू

जेएस हिंदू पीजी कालेज में साहित्यकार हरिशंकर परसाई की जन्म शताब्दी पर हुई संगोष्ठी

जागरण संवाददाता, अमरोहा : महान साहित्यकार हरिशंकर परसाई हिंदी के सर्वश्रेष्ठ व्यंग्य लेखक थे। उनके लेखन समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होता जा रहा है। हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बबलू सिंह ने जेएस हिंदू पीजी कालेज में महान साहित्यकार हरिशंकर परसाई की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में संगोष्ठी में विचार व्यक्त किए।

जेएस हिंदू पीजी कालेज में हिन्दी विभाग की तरफ से हरिशंकर परसाई के साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी ा आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ रस्वती वंदना संग साहित्यकार हरिशंकर साई की प्रतिमा का माल्यार्पण से ा। कालेज प्राचार्य डा. वीर वीरेंद्र सिंह जवाए गए संदेश में कहा कि इस के आयोजन के माध्यम से हम न हरिशंकर परसाई जैसे महान लेखक को याद कर रहे हैं, बल्कि उनके लेखन से प्रेरणा भी ले रहे हैं। डा. सविता ने हिंदी में व्यंग्य विधा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी में व्यंग्य को केंद्रीय विधा के रूप में स्थापित करने में परसाई की ऐतिहासिक भूमिका रही है। डा. जावेद ने कहा कि साहित्य में दरकिनार कर दिए गए सभी सवालों से परसाई का लेखन दो चार होता है। डा. राजनलाल ने परसाई को हिंदी का सर्वश्रेष्ठ व्यंग्यकार बताते हुए विद्यार्थियों को परसाई जैसा लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. नागेंद्र प्रसाद मौर्या ने अंग्रेजी और हिंदी साहित्य के व्यंग्य लेखन पर तुलनात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया। डा. देवेंद्र कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में सोचने समझने व चिंतन मनन करने की क्षमता का विकास करते हैं।

जेएस हिंदू डिग्री कालेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता ● सौ. से स्वयं

विद्यार्थी नीशू जोशी,अलशिफा नूर, रेशू जोशी,प्रियांशी, कामनी ,रश्मि,मेघा दिवाकर आदि ने हरिशंकर परसाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के अंत में सभी विद्यार्थियों को डा. आभा सिंह ने प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

साहित्यकार हरिशंकर परसाई के जन्म शताब्दी वर्ष पर हुई संगोष्ठी

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जेएस हिन्दू (पीजी) कॉलेज के शोध एवं स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के सौजन्य से गुरुवार को महान साहित्यकार हरिशंकर परसाई के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर हरिशंकर परसाई के साहित्य की प्रासंगिकता विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विभिन्न वक्ताओं एवं छात्र छात्राओं ने अपने विचार रखते हुए परसाई के साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार विमर्श किया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना एवं हरिशंकर परसाई की तस्वीर के माल्यार्पण के साथ किया गया।

इस अवसर अपने भिजवाए संदेश में प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन के माध्यम से हम न केवल हरिशंकर परसाई जैसे महान लेखक को याद कर रहे हैं। बल्कि उनके लेखन से प्रेरणा भी ले रहे हैं।

हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ० बबलू सिंह ने साहित्य में व्यंग्य विधा के महत्व को रेखांकित करते हुए हरिशंकर परसाई को हिंदी का सर्वश्रेष्ठ व्यंग्य लेखक बताया।उन्होंने कहा कि "परसाई जी का लेखन समय के साथ और ज्यादा प्रासंगिक होता जा रहा है। डॉ० सविता ने हिंदी में व्यंग्य विधा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी में व्यंग्य को केंद्रीय विधा के रूप में स्थापित करने में परसाई की ऐतिहासिक भूमिका रही।

डॉक्टर जावेद ने परसाई के धारदार लेखन से सभी को परिचित कराते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि "साहित्य में दरकिनार कर दिए गए सभी सवालों से परसाई का लेखन दो चार होता है" इस अवसर पर डॉक्टर राजनलाल ने परसाई को हिंदी का सर्वश्रेष्ठ व्यंग्यकार बताते हुए विद्यार्थियों को परसाई जैसा लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ० नागेंद्र प्रसाद मौर्या ने अंग्रेजी और हिंदी साहित्य के व्यंग्य लेखन पर तुलनात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ० देवेंद्र कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में सोचने समझने व चिंतन मनन करने की क्षमता का विकास करते हैं।

विद्यार्थियों में नीशू जोशी, अलशिफा नूर, रेशू जोशी, प्रियांशी, कामनी, रश्मि, मेघा दिवाकर आदि ने हरिशंकर परसाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के अंत में सभी विद्यार्थियों को डॉक्टर आभा सिंह ने प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य डॉक्टर ऋतुराज यादव व धन्यवाद ज्ञापन रणदेव सिंह, राजीव कुमार ने दिया।

कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया ...

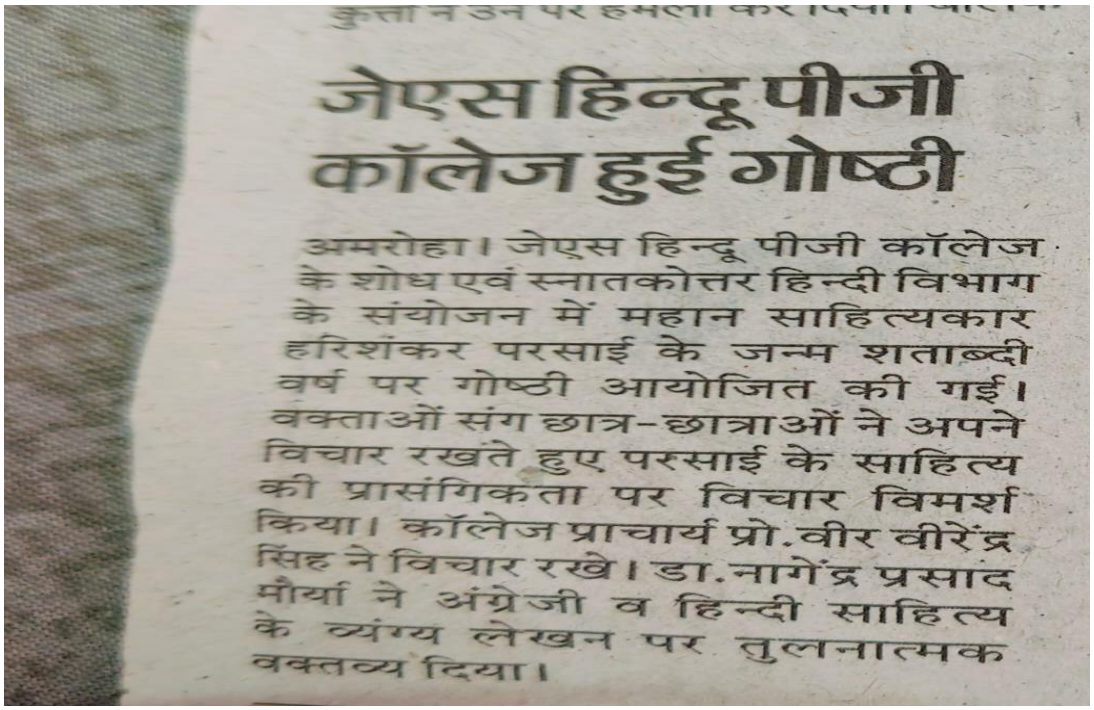

जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज हुई गोष्ठी

अमरोहा। जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज के शोध एवं स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के संयोजन में महान साहित्यकार हरिशंकर परसाई के जन्म शताब्दी वर्ष पर गोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं संग छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखते हुए परसाई के साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार विमर्श किया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने विचार रखे। डा. नागेंद्र प्रसाद मौर्या ने अंग्रेजी व हिन्दी साहित्य के व्यंग्य लेखन पर तुलनात्मक वक्तव्य दिया।